

---

# Jarasandhena Kritam Krishna Stotram

---

## जरासन्धेन कृतं कृष्णस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Jarasandhena Kritam Krishna Stotram

File name : jarAsandhenakRRitaMkRRiShNastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, krishna, bhAgavatapurANa, stotra

Location : doc\_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bhAgavatapurANa | adhyAya 10/70/25-27||

Latest update : October 1, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 4, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

जरासन्धेन कृतं कृष्णस्तोत्रम्



कृष्ण कृष्णाप्रमेयात्मन् प्रपन्नभयभञ्जन ।  
वयं त्वां शरणं यामो भवभीताः पृथग्धियः ॥ २५ ॥

लोको विकर्मनिरतः कुशले प्रमत्तः  
कर्मण्ययं त्वदुदिते भवदर्चने स्वे ।  
यस्तावदस्य बलवानिह जीविताशां  
सद्यश्छिनत्त्यनिमिषाय नमोऽस्तु तस्मै ॥ २६ ॥

लोके भवाञ्जगदिनः कलयावतीर्णः  
सद्रक्षणाय खलनिग्रहणाय चान्यः ।  
कश्चित्त्वदीयमतियाति निदेशमीश  
किं वा जनः स्वकृतमृच्छति तन्न विद्मः ॥ २७ ॥

स्वप्रायितं नृपसुखं परतन्त्रमीश  
शश्वद्भयेन मृतकेन धुरं वहामः ।  
हित्वा तदात्मनि सुखं त्वदनीहलभ्यं  
क्लिश्यामहेऽतिकृपणास्तव माययेह ॥ २८ ॥

तन्नो भवान् प्रणतशोकहराङ्घ्रियुग्मो  
बद्धान् वियुङ्क्त मगधाह्वयकर्मपाशात् ।  
यो भूभुजोऽयुतमतङ्गजवीर्यमेको  
विभ्रद्रुरोध भवने मृगराडिवावीः ॥ २९ ॥

यो वै त्वया द्विनवकृत्व उदात्तचक्र-  
भग्नो मृधे खलु भवन्तमनन्तवीर्यम् ।  
जित्वा नृलोकनिरतं सकृद्दृढदर्पो  
युष्मत्प्रजा रुजति नोऽजित तद्विधेहि ॥ ३० ॥

इति श्रीमद्भागवतमहापुराणे दशमस्कन्धे उत्तरार्धे

सप्ततितमाध्यायान्तर्गतं जरसन्धेन बन्धीकृतराजभिः कृतं  
श्रीकृष्णस्तोत्रं समाप्तम् ।

भागवतपुराण । अध्याय १०/७०/२५-२७ ॥

bhAgavatapurANa . adhyAya 10/70/25-27..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Jarasandhena Kritam Krishna Stotram*

pdf was typeset on October 4, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

